TDC Odd Semester Exam., 2020
held in July, 2021

HINDI

(Pass)

(5th Semester)

Course No. : HINP–501

(Reeti Kavya)

Full Marks : 50
Pass Marks : 17

Time : 2 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. (क) ''बिहारी की कविता गागर में सागर की तरह है।'' उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

(ख) मतिराम के काव्य में शृंगार भाव की विवेचना कीजिए।

2. (क) घनानंद की प्रेम-भावना को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

(ख) रसखान की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

3. (क) कवि देव की काव्य के भावपक्ष को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

(ख) पद्माकर की काव्यगत विशेषताओं को लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2=10

(क) बिहारी की भक्ति-भावना

(ख) घनानंद की काव्य-भाषा

(ग) कवि देव के काव्य में प्रकृति वर्णन

(घ) रसखान की काव्य-भाषा

5. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(क) मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परै, स्यामु हरित-दुति होई॥

(ख) मानुष हौं तौ वही 'रसखानि', बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पसु हौं तौ कहा बस मेरो, चरौ नित नंद की धेनु मझारन।
पाहन हौं तौ वही गिरी कौ, जो घर-यौ कर छत्र पुरन्दर धारन।
जो खग हौं तौ बसेरौ करौं नित, कालिंदीकूल कदंब की डारन॥

(ग) डार द्रुम-पलना, बिछौना नव पल्लव के,
सुमन झगूला सोहै, तनछवि भारी दै।
पवन झुलावै, केकी-कीर बतरावै 'देव',
कोकिल हलावै-हुलसावै कर तारी दै।
पूरित पराग सों उतारो करै राई-नोन,
कंजकली नायिका लतान पुचकारी दै।
मदन-महीप जू को बालक बसंत ताहि
प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै।

(घ) गोकुल के कुल के, गली के गोप गाउन के,
जौ लगि कछू-को-कछू भाखत भनै नहीं।
कहै पद्माकर परोस-पिछवारन ते,
द्वारन के दौरि गुन-औगुन गनैं नहीं।
तौ लौं चलि चातुर सहेली याहि कोऊ कहूँ,
नीके कैं निचौरै ताहि करत मनै नहीं।
हौं तो स्याम-रंग मैं चुराइ चित चोरा चोरी,
बोरत तौ बोरयौ पै निचोरत बनै नहीं।

★★★